अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2025) दिनांक : 14.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भगवती (खंड-2)–70

प्र. 1 कोई छः पारिभाषिक शब्द लिखें– 6

(क) भृकुटी पर अनिमेष दृष्टि टिकाने को कहा जाता है।

(ख) सब दिशाओं से चलना अथवा दूसरे पदार्थों का स्पर्श करना।

(ग) भूमि में गड़ा हुआ धन।

(घ) अटवी में मुनि के लिए बनाया हुआ भोजन।

(ड़) वह खाई जो ऊपर से चौड़ी और नीचे से संकरी होती है।

(च) वज्र जैसी शरीर रचना वाला मध्य में पतला।

(छ) तृण-काष्ठ आदि को उड़ा देने वाली प्रलयंकारी वायु।

(ज) सर्वथा दूसरे जीवों का वध करने वाला।

प्र. 2 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें– 6

(क) योनि विच्छेद से क्या तात्पर्य है?

(ख) गणितकाल के अनुसार त्रुटितांग किसे कहते हैं?

(ग) नव ग्रैवयक और अनुत्तर विमान में वर्षा क्यों नहीं होती?

(घ) उत्कारिका भेद को स्पष्ट करें।

(ड़) पांच क्रियाएं कौन सी हैं? नाम लिखें।

(च) काल प्रमाण के कितने प्रकार हैं।

(छ) कपिहस्ति किसे कहते हैं?

(ज) रथमुसल संग्राम में कितने लोग मारे गए तथा वे मर कर कहां उत्पन्न हुए?

प्र. 3 कोई दस प्रश्नों के उत्तर तीन या चार पंक्तियों में दें– 30

(क) धान्य के कितने वर्ग हैं और उनकी उत्पादक शक्ति जघन्य और उत्कृष्ट कितनी रह सकती है?

(ख) सर्वदूरमूल और अवन्तिक से क्या तात्पर्य है?

(ग) जन्म मरण के मुख्य घटक कौन से हैं, इसके आधार पर जीवों के कितने विकल्प किए गए हैं?

(घ) कर्म निषेक किसे कहते हैं, उसकी प्रक्रिया क्या है?

(ड़) उमास्वाति ने सात वेदनीय बंध के कितने और कौन से कारण बताये हैं?

(च) कृष्णराजियों के नाम लिखें।

(छ) बादर अद्धा पल्योपम किसे कहते हैं?

(ज) जीवों के कर्मों के उपचय के अनादित्व एवं सादित्व के भंगों को लिखें।

(झ) सिद्ध करें कि प्रत्याख्यान और अप्रताख्यान भी आयुष्य बंध के हेतु बनते हैं।

(ञ) अमोधा से क्या तात्पर्य है?

(ट) भाषा के कितने प्रकार हैं तथा अर्धमागधी भाषा किसे कहते हैं?

(ठ) आचार्य उपाध्याय के कार्य, पद, अर्हता ओर विषय के बारे में लिखें।

प्र. 4 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर 5-7 पंक्तियों में दीजिए– 15

(क) अध्यवसाय की प्रकर्षता के आधार पर निर्जरा के तारतम्य का प्रतिपादन करें।

(ख) भाषक कितने प्रकार का होता है, उसके कर्म बंध की क्या नियमा है?

(ग) विपाकी और अविपाकी निर्जरा को उदाहरण से समझाएँ।

(घ) निद्रा चक्रों को स्पष्ट करें।

प्र. 5 अणु एवं बादर दोनों प्रकार के शब्दों को सुना जा सकता है इसे स्पष्ट करते हुए शब्द सुनने की प्रक्रिया का वर्णन करें एवं छदमस्थ एवं केवली के शब्द सुनने में क्या अंतर है? समझाएँ। 13

अथवा

क्या जीव बढ़ते हैं, घटते हैं अथवा अवस्थित रहते हैं। नैरयिक आदि 24 दण्डों के आधार पर उनके विरहकाल, समीकरण काल एवं अवस्थिति काल को तालिका द्वारा विस्तार से समझायें।

प्र. 6 कोई दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में दें–

(क) मिथ्यात्व मोहनीय, मिश्र मोहनीय एवं सम्यक्त्व मोहनीय का उदय किन-किन गुणस्थानों में होता है।

(ख) शुभ भाव लेश्या में उपशम भाव क्यों नहीं है?

(ग) आत्मिक सुख शाश्वत है या अशाश्वत?

(घ) क्षायोपशमिक पांच लब्धियाँ और बाल वीर्य किन भावों में होते हैं तथा छह द्रव्य में और नव पदार्थ में उनका समवतरण किसमें होता है?

(ड़) यौगलिक मनुष्य, चक्रवती, वासुदेव और बलदेव के चार अघाती कर्मों में कौन से कर्म पुण्य हैं कौन से कर्म पुण्य-पाप दोनों हैं?

(च) बयालीस दोष और बावन अनाचार मूल गुण हैं या उत्तर गुण हैं और ये कौन सी आत्मा है?

(छ) नौवें गुणस्थान वाला जीव उपशम श्रेणी में मोहनीय कर्म की किन प्रकृतियों को किस क्रम से उपशान्त करता है?

(ज) तीर्थंकर के कितने परीषह कौन से कर्म के उदय से होते हैं?

(झ) उदय के 33 बोलों में कौन से बोल सावद्य-निरवद्य दोनों नहीं है और कौन से बोल सावद्य और निरवद्य दोनों हैं।

(ञ) स्पर्शनेन्द्रिय, अचक्षुदर्शन, और मति-श्रुत अज्ञान कितने भाव, छह द्रव्य में और नव पदार्थ में किसमें समवतार, शाश्वत या अशाश्वत।

(ट) पापस्थान, आश्रव और कर्म को स्पष्ट करें।

प्र. 7 कोई तीन पद्यों का शब्दार्थ करें– 12

(क) चोथा गुणठाणां री समदृष्टि ते रे, निरवद्य उज्जल लेखे देख रे।
ऊंधी श्रद्धा रा त्याग सहित समदृष्टि ते रे, निरवद्य उज्जल करणी लेख रे।

(ख) ऊजल करणी लेखे निरवद नहीं छै, असासतो कहिवाय।
ज्ञानावरणी उदै थी छै असन्नी, तिण सूं सावद्य निरवद नाँय रे।।

(ग) छेदोपस्थानीय पडिहारविसुध नो, त्रेसठ चौरासी सहंस है वास।
जघन्य अन्तर भगवती मांहे भाख्यो, इहां पिण अधिक न गिणिया विमास रे।।

(घ) ढंड न लै राखै मन में सल्ल, तो उण री उणनैं मुसकल्ल रे।
पिण दोष सेवण री नहिं छै थाप, तिण सूं छट्ठो गुणठाणो मिलाप रे।।

प्र. 8 भगवती के पचीसवें शतक के छट्ठे उद्देशक में पृथक-पृथक छह निर्ग्रंथ बतलाये गए हैं। ढाल 21 के अनुसार चावल के खेत का दृष्टान्त देते हुए उनका विस्तृत वर्णन करें। 8

अथवा

उदय के 33 बोलों में कितने भाव, छह में कौन, नौ में कौन, सावद्य या निरवद्य, शाश्वत या अशाश्वत? विस्तार से बताएँ।